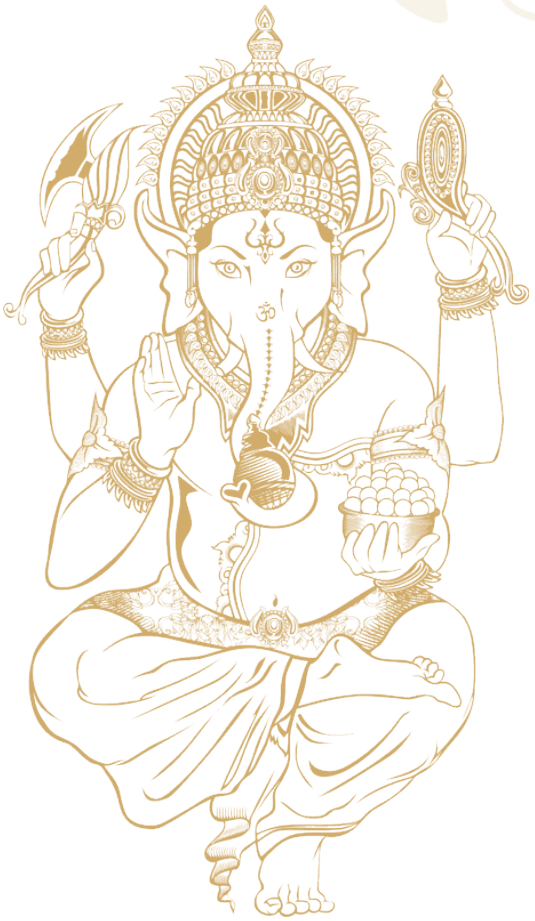

Sarthak

Swapan asija

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121782507

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/07/1998	जन्म तिथि	10-11/07/1998
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 22:05:00	जन्म समय	04:44:00 घंटे
घटी 40:59:32	जन्म समय(घटी)	58:03:35 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Hissar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:10:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:11	सूर्योदय	05:35:16
19:14:06	सूर्यास्त	19:29:04
23:50:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 0मा 30दि		11:58:55	मीन	लग्न	मिथु	12:25:42	चन्द्र 9वर्ष 4मा 0दि	
गुरु		13:28:43	कर्क	सूर्य	मिथु	24:38:58	राहु	
29/08/2017		04:36:17	तुला	चंद्र	मक	10:53:10	10/11/2014	
29/08/2033		22:24:15	मिथु	मंगल	मिथु	09:15:56	10/11/2032	
गुरु	18/10/2019	04:25:31	सिंह	बुध	कर्क	20:27:00	राहु	23/07/2017
शनि	30/04/2022	03:57:49	मीन व	गुरु	मीन	04:08:34	गुरु	17/12/2019
बुध	05/08/2024	19:30:43	मिथु	शुक्र	वृष	25:45:36	शनि	23/10/2022
केतु	12/07/2025	09:34:06	मेष	शनि	मेष	08:42:16	बुध	11/05/2025
शुक्र	12/03/2028	07:51:42	सिंह	राहु व	सिंह	08:15:09	केतु	30/05/2026
सूर्य	29/12/2028	07:51:42	कुंभ	केतु व	कुंभ	08:15:09	शुक्र	30/05/2029
चन्द्र	30/04/2030	17:04:30	मक व	हर्ष व	मक	17:49:45	सूर्य	23/04/2030
मंगल	06/04/2031	06:45:07	मक व	नेप व	मक	07:16:58	चन्द्र	23/10/2031
राहु	29/08/2033	11:32:07	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:48:15	मंगल	10/11/2032

लग्न-चलित

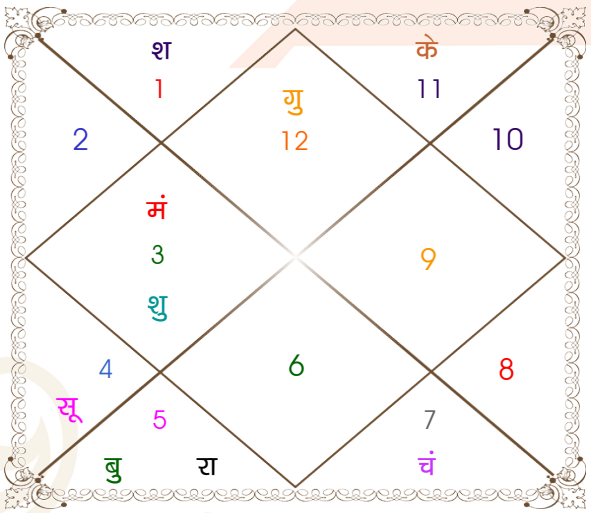

लग्न-चलित

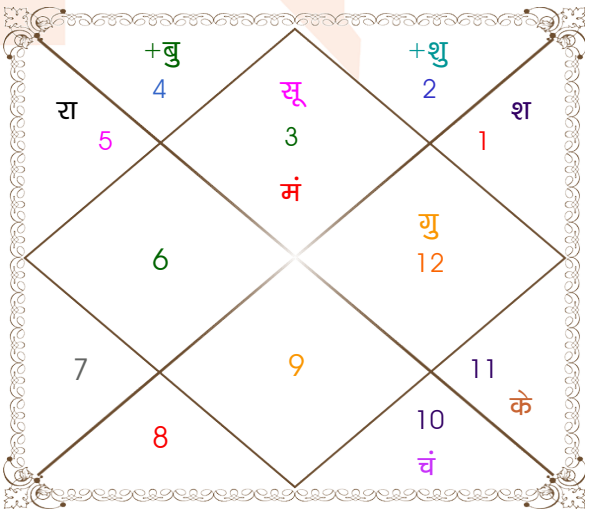

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

ँतजींा का वर्ग मृग है तथा Swapan asija का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारँतजींा और Swapan asija का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ँतजींा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Swapan asija मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Swapan asija कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुँतजींा कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैंतर्जीा तथा Swapan asija में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com